

क्र. ४७

संस्कृत

निघण्टुक

भाषाभूषण २१८११२१७



(1) श्रीगणेशायनमः॥ हरिः॥ अ० म॥ गौः॥ गमा॥ जमा॥ क्षमा॥ क्षा॥ क्षमा॥ क्षो
णी॥ क्षितिः॥ अवनिः॥ उ० व३॥ पृथ्वी॥ मही॥ रिपः॥ अदितिः॥ इ० का॥
निर्ऋतिः॥ भूः॥ भूमिः॥ पूषा॥ गान्धर्वः॥ गोत्रेत्येकविंशतिनामधेया पृथ्वी
नि॥ १॥ हेम॥ चंद्रा॥ रुक्म॥ अयः॥ हिरण्यं॥ पेशः॥ रुशना॥ लोहं॥ क
नकं॥ कांचनं॥ भर्म॥ अमृतं॥ मरुत॥ द्रव॥ जातरूपमिति पंच
दशहिरण्यनामानि॥ २॥ अंबरं॥ वियत्॥ व्योमबर्हिः॥ धन्व॥ अंत
रिक्षं॥ आकाशं॥ आपः॥ पृथिवी॥ भूः॥ स्वयंभूः॥ अध्वा॥ पुष्करं॥ स
गरः॥ समुद्रः॥ अध्वमिति षोडशांतरिक्षनामानि॥ ३॥ स्वः॥ पृष्णिः॥

(2)

निधं० नाकः। गौः। विष्टप। नभट्तिषट्साधारणानि ॥ ४ ॥ खेदयः। किरणाः। गा
९ वः। रश्मयः। अभीशवः। दीधितयः। गभस्तयः। वनः। उस्त्राः। वसवः।
मरीचिः। मयूखाः। सप्तऋषयः। साध्याः। सुपर्णा इति पंचदश
रश्मिनामानि ॥ ५ ॥ वः। अताः। आशाः। उपरः। उवाष्टाः। काष्ठाः। व्यो
मः। ककुभः। हरितइत्यष्टौ दिङ्नामानि ॥ ६ ॥ श्यावी। क्षमा। शर्वरी।
अक्कुः। उर्म्या। राम्या। यम्या। नन्या। दोषा। नक्ता। तमः। रजः। अ
सिक्री। पयः। स्वती। तमस्वती। घृताची। शिरिणा। मोकी।
शो। शो। की। ऊर्ध्वः। पयः। हिमा। वस्वी। ति त्रयोविंशतिरात्रिना ९

(2A)

मानि॥ ७॥ विभावरी॥ सूनरी॥ भास्वती॥ ओदती॥ चित्रामघा॥ अर्जुनी॥ वाजि
नी॥ वाजिनीवती॥ सुम्नावरी॥ अहना॥ द्योतना॥ श्वेत्वा॥ अरुषी॥ सूनृ
ता॥ सूर्यतावती॥ सूनृवरीति षोडशोषो नामामि॥ ८॥ वस्तोः॥ द्युः॥ भा
नुः॥ वासरं॥ स्वसराणि॥ घ्नंसः॥ घर्मः॥ घृणः॥ दिनादिवा॥ दिवे॥ दिवेद्य
विद्यवीति द्वादशाहर्नामामि॥ ९॥ अद्रिः॥ ग्रावा॥ गोत्रः॥ वलः॥
अभ्नः॥ पुरुभोजः॥ वलिशानः॥ अश्मा॥ पर्वतः॥ गिरिः॥ ब्रजः॥ च
रुः॥ वराहः॥ शंबरः॥ रौहिणः॥ रेवतः॥ फल्गुः॥ उपरः॥ उपलः॥ चम
सः॥ अहिः॥ अभ्रं॥ बलाहकः॥ मेघः॥ दृतिः॥ ओदनः॥ वृषधिः॥ वृत्रः॥

(3)

निधं.

२

असुरः। कोश इति शैविर्मेघनामानि ॥३०॥ श्लोकः। धारा। द्रुक्। गौः।
गौ। गरी। गंधर्वः। गभीरा। गंभीरा। मंदा। मंदा जनी। वाशी। वाणी।
वाणीची। वाणः। पविः। भारती। धमनिः। नाकी। मेळिः। मेना। सु
र्या। सरस्वती। निवित्। स्वाहा। वरुणः। उपदिः। युः। मा। काकुत।
जिह्वा। घोषः। स्वरः। शब्दः। स्वनः। कृक। होत्रा। गीः। गाथा। गणः।
धेना। ग्नाः। विषानना। कशा। धिवणा। नौः। अक्षरं। मही। अदितिः।
शची। वाक्। अनुष्टुप्। धेनुः। वल्गुः। गल्गुः। लदा। सरः। सुप
ण्शि। बेकुरेति सप्तपंचाशद्नामानि ॥३३॥ अर्णः। क्षोदः।

२

(3A)

क्षमा नमः। अंभः। का वंधं। सलिलं। वाः। वनं। घृतं। मधु। पुरीषं। पिप्लवं। क्षी
रं। विषं। रेतः। कशः। जंम। बृबूकं। बुसां। तुग्याबर्बुरं। सुक्षेमं। धरुणं। सुरा।
अररिंदीनि। ध्वस्मन्वत्। जामि। अयुधानि। क्षपः। अहिः। अक्षरं। स्त्रो
तः। वृत्तिः। रसः। उदकं। पयः। सरः। भेषजं। सहः। शवः। यहः। ओजः।
सुरवं। क्षत्रं। आवयाः। शुभं। यादुः। भूतं। भुवनं। भविष्यत्। आयः। मह
त्। व्योम। यशः। महः। सरणीकं। स्तुतीकं। सतीनं। गहनं। गभीरं। गंभीरं।
ई। अंनं। हविः। सद्मा। सदनं। क्रतुं। योनिः। क्रतुस्य योनिः। सत्यं। नीरं।
रयिः। सत्। पूर्णं। सर्वं। अक्षितं। बर्हिः। नाम। सर्पिः। अपः। पवित्रं। अमृतं।

(६)

निष्प- इंदुः। हेमाः। स्वः। सर्गाः। शंबरः। अम्बः। वपुः। अंबुतोयः। तूर्यः। रुपीटः। श्रुक्रः। तेजः।
३ स्वधावारिः। जले। जलोषः। इह मिलेकशतमुदकेनामानि ॥ १२ ॥ अवन
यः। यव्याः। रवाः। सीराः। स्त्रोत्याः। एन्यः। धुनयः। रुजानाः। वक्षणाः। रवाद्यो
अर्णाः। रोधचक्राः। हरितः। सरितः। आयुवः। नभन्वः। वध्वः। हिरण्या
वर्णाः। रोहितः। सस्तुतः। अर्णाः। सिंधवः। कुल्याः। वर्यः। उर्यः। इराव
हः। पार्वत्यः। स्नवत्यः। ऊर्जस्वत्यः। पयस्वत्यः। सरस्वत्यः। हर
स्वत्यः। रोधस्वत्यः। भास्वत्यः। अजिराः। मातरः। नद्यद्वितिसप्तत्रिं
शं नदीनामानि ॥ १३ ॥ अहः। हयः। अवी। वाजी। सत्तिः। वह्निः। ३

(4A) दधिकाः। दधिकावा। एतग्वः। एतशः। पैहः। दौर्गहः। औचैश्रवसः। ताक्ष्यः।
आशुः। ब्रध्नः। अरुषः। मांश्चत्वः। अव्यथयः। श्येनासः। सुवर्णाः। पतंगाः।
नरः। कार्यणां। हंसासः। अष्टवाइतिषड्विंशतिरश्वनामानि॥१४॥ हरी
इंद्रस्य। रोहि तो ग्नेः। हरि आदित्यस्य। रासभावुश्विनोः। अजाः पृष्णः।
पृष त्यो मरु तां। अरुच्यो गाव दुवसां। शम्भावाः सवितुः। विश्वरूपा बृह
स्पतेः। निद्यु तो वा योरिति दशादिष्टोपयोजनानि॥१५॥ भ्राजते।
भ्राशते। भ्राश्रयति। दीदयति। शोचति। मंदते। मंदते। रोचते। ज्यो
तते। द्योतते। धुमदित्येकादश ज्वलतिकर्माणः॥१६॥ जमद।

निघं० कल्मलीकिनं। जंजणाभवन्। मल्मलाभवन्। अर्चिः। शोचिः। त
६४ यः। तेजः। हरः। हृषिः। शृंगाणि शृंगाणीत्येकादश ज्वलतो नामधे
(५) यानि नामधेयानि॥ १७॥ गैर्हेमांबरं स्वः। खेदय आताः श्यावी
विभावरिवस्तोरद्विश्लोकोर्णवनयोत्यो हरी इंद्रस्य भ्राजते जम
दितिसप्तदश॥ इति निघंटके प्रथमोऽध्यायः॥ श्रीराम॥ ॐम्॥
अयः। अप्रः। हंसः। वेषः। वेपः। विष्ठी। व्रतं। कर्वरं। करुणं। शक्म।
कतुः। करणानि। कारांसि। करिक्कत। करंती। चक्रत। कर्त्तुं।
कर्त्तौः। कर्तव्ये। रुचिः। शची। शमी। शिमी। शक्तिः। ४

(5A)

शिल्पमितिषड्विंशतिः कर्मनामानि ॥ १ ॥ तुक्। तोक्। तनयः। तोक्म।
तक्म। शेषः। अग्रः। गयः। जाः। अपत्यं। यहुः। सूनुः। नपात्। प्रजा।
बीजमितिपंचदशायत्यनामानि ॥ २ ॥ मनुष्याः। नरः। धवाः। जं
तवः। विशः। क्षितयः। रुष्टयः। चर्वणयः। नहुषः। हयः। मर्याः। म
र्त्याः। मर्ताः। भ्राताः। तुर्वशाः। दुह्यवः। आयवः। यदवः। अनवः।
पूरवः। जतंग। तस्थुषः। पंचजनाः। विवस्वंतः। पृतनाइतिपंच
चविंशतिर्मनुष्यनामानि ॥ ३ ॥ आयती। च्यवाना। अभीष्ट।
अभ्रवाना। विनंयसौ। गर्भस्ती। करस्नौ। नाह। भुरिजौ। क्षिप

निघं. स्ती। शक्ररी। भरिचैइतिद्वादशबाहु नामानि ॥ ४ ॥ अग्रुवः। अण्व्यः।
५ क्षिपः। विशः। शर्योः। रश्मनाः। धीतयः। अथर्वः। विपः। कक्ष्याः। अव
(६) नयः। हरितः। स्वसारः। जामयः। सनाभयः। योक्राणि। योजना
नि। धुरः। शारवाः। अभीश्ववः। दीधितयः। गभस्तयइतिद्वाविंश
तिरंगुलिनामानि ॥ ५ ॥ वशिम्। उश्मसि। वेति। वेनति। वेसति।
वांछति। वष्टि। वनोति। जुषते। हर्यति। आचके। उमिक्। मन्यते।
छन्तसेत्। चाकनेत्। चकमानः। कनति। कानिषदित्यष्टादश
कांतिकर्माणः ॥ ६ ॥ अंधः। वाजः। पयः। श्रवः। पृक्षः। पितुः। सुतः। ५

(6A) सिनः। अवः। क्षुधः। धासिः। इरा। इका। इषं। उर्कः। रसः। स्वधा। अर्कः। क्षमः।
नेमः। ससं। नमः। आयुः। स्रुता। ब्रह्म। वर्चः। कीला। लं। यमदुत्यष्टा
विंशतिरंननामानि ॥ ७ ॥ आवयति। भवति। बभस्ति। वेति। वेवेष्टि।
अविष्यन्। वप्सति। भसथः। वध्यां। दूरतीति दशान्तिकर्माणः ॥
८ ॥ ओ जः। पा जः। शवः। तुवः। तरः। त्वक्षः। शर्धः। बाधः। नृ
म्णं। तविषी। शुभं। शुष्णं। दक्षः। वीकः। व्यौलं। श्रुषं। सहः। यहः।
वधः। वर्गः। वृजनं। वृक्। मज्जना। पौस्यानि। धर्णसिः। इविणं।
स्यं द्रासः। शंबरमित्यष्टाविंशतिर्वलनामानि ॥ ९ ॥ मघं। रे

निघं. कणः। रिच्छं। वैदः। वरिवः। श्वात्रं। रत्नं। रयिः। क्षत्रं। भगः। मीकं। गयः। घुम्नं। इंदि
यां। वसु। रायः। राधः। भोजनं। तना। नृम्णं। बंधुः। मेधा। यशः। ब्रह्म। द्विविणो
श्रवः। वृत्रं। वृत्तमित्यष्टाविंशतिरेव धननामानि ॥ १० ॥ अघ्न्या। उस्त्रा। उस्त्रि
या। अहीम। मही। अदितिः। दुक्ता। जगती। शक्करीतिनवगोनामानि ॥
११ ॥ रेकते। हेकते। भामते। भृणीयते। भ्रीणाति। भेषति। दोधति। वनुष्यति
कंपते। भोजतइति दशकुप्यतिकर्माः ॥ १२ ॥ हेकः। हरः। हृणिः। त्यजः।
भामः। एहः। हरः। तपुषी। जूर्णिः। मन्युः। व्यनिरित्येकादशक्रोधनामानि ॥
१३ ॥ वर्त्तते। अयते। लोटते। लोठते। स्यंदते। कंसति। सर्पति। स्पमति।
स्नंसते। अवति। श्वोतति। ध्वंसति। वेनति। मार्ष्टि। भुरण्यति। श

बि ~~कवि~~ कति। कालयति। पेलयति। कंटति। पिस्स्यति। विस्स्यति। मि
स्यति। प्रवते। पूवते। ~~अ~~च्यवते। कवते। गवते। नवते। क्षोदति। नक्ष
(७A) ति। सक्षति। म्यक्षति। सचति। क्रुच्छति। तुरीयति। चतति। अतति।
गाति। इयक्षति। सश्र्वति। सरति। रंहति। यतते। भ्रमति। ध्रजति। र
जति। लजति। स्त्रियति। धमति। मिनाति। क्रुण्वति। क्रुणोति। स्व
रति। सिसर्ति। वेषिष्टि। योषिष्टि। रिणाति। रीयते। रेजति। दध्यति।
दम्भोति। युध्यति। धंवति। अरुषति। आर्यति। डीयते। तकति।
दीयति। ईषति। फणति। हनति। अर्दति। मर्दति। सरस्ते। नसते।

निघं. ह॒र्यति। इ॒र्यति। ई॒र्ते। ई॒रवते। अ॒रयति। श्वा॒ व्रति। ग॒न्ति। आ॒ग॒नी॒ग॒न्ति।
७ अ॒ग॒न्ति। जि॒न्वति। ज॒सति। ग॒मति। ध॒रति। ध॒राति। ध्र॒यति। व॒हते। र
(४) थ॒र्यति। जे॒हते। षः॒ कति। क्षुं॒पति। स्पा॒ति। वा॒ति। या॒ति। इ॒षति। द्रा
ति। द्रू॒ति। ए॒जति। ज॒मति। ज॒वति। वं॒चति। अ॒नि॒ति। प॒वते।
हंति। से॒धति। अ॒ग॒न्। आ॒ज॒ग॒न्। जि॒गा॒ति। प॒तति। इ॒न्वति। द्र॒मति।
द्र॒वति। वे॒ति। ह॒यं॒ता॒द्र। ए॒ति। ज॒गा॒या॒द्र। अ॒यु॒धु॒रिति॒द्वा॒विंशं॒श
तं॒द्र ग॒ति॒क॒र्मा॒णः॥ १४॥ नु। म॒क्षु। द्र॒व॒द्र। ओ॒षं। जी॒राः। जू॒र्णिः।
शू॒र्ताः। शू॒घ॒ना॒सः। शी॒र्भं। तृ॒षु। तू॒र्यं। तू॒र्णिः। अ॒जि॒रं। भु॒र॒ण्युः। शु। ७

(84)

२६

आशु। प्राशुः। तूतुजिः। तूतुजानः। तुज्यमानासः। अजाः। साचीवि
ताद्युगत्। ताजत्। तरणिः। वातरंहाइतिषड्विंशतिः। क्षिप्रनामानि॥
१५॥ तच्छित्। आसात्। अंबरं। दुर्वशे। अस्तमीके। आके। उपाके।
अर्वाके। अंतमानां। अवमे। उपमित्येकादशांतिकर्मानि॥ १६॥
रणः। विवाक्। विरवादः। नदनुः। भरे। आक्रंदे। आहवे। आहौ। पृ
तनाज्यं। अभीके। समीके। ममसत्यं। नेमधिता। संकाः। समितिः।
समनं। मीढ्वे। एतनाः। स्पृधः। मृधः। पृत्सु। समत्सु। समर्ये। स
मरणे। समोहे। समिधे। संख्ये। संगे। संयुगे। संगथे। संगमे।

निघं. वृत्रहर्षे। पृक्षे। आणौ शूरसातौ। वा जसातौ। समनीके। खले। खजे।
८ पौस्ये। महाधने। बाजे। अ। ज्म। सन्म। संयत्। संवत इति षट् चत्वारिं
शसंग्रामनामानि ॥ १७ ॥ इवति। नक्षति। आक्षाणः। आनद्। आ
अ ४। आपानः। अशत्। नशत्। आनशः। श्रुत इति दश व्याप्तिकर्माणि ॥
१८ ॥ दम्भोति। श्रमथति। ध्वरति। धूर्वति। वृणक्ति। वृश्च्यति। कृण्व
ति। कृतति। श्वसिति। नभते। अदर्यति। स्तृणाति। स्नेहयति। या
तयति। स्फुरति। स्फुलति। निवपंतु। अवतिरति। वियातः। आति
ख। तक्ति। आखंडत्। दृणाति। रम्णाति। शृणाति। शम्नाति। त

ये बुद्धिः। तां हि। नितो शते। निबर्हयति। मिनाति। मिनाति। धम
तीति त्रयस्त्रिंशद्वधकर्मणः ॥ १९ ॥ दिद्युत्। नेमिः। हेतिः। नमः।

(११) पविः। सूकः। वृकः। वर्धः। वज्रः। अर्कः। कुत्सः। कुलिशः। तुंजः। ति
 ग्मः। मेनिः। स्वधितिः। सायकः। परशुरित्यष्टादशवज्रनामानि॥ २०॥
 इरज्यति। प्रत्यतोक्षयति। राजतीति चत्वारण्यैश्वर्यकर्माणः॥ २१॥
 राष्ट्री। अर्यः। नियुत्वान्॥ इन्द्रनद्विचत्वारीश्वरनामानि॥ २२॥
 अपस्तुभननुष्या आयत्यश्नुबोवश्म्यंथआवयत्यो जामघ

निचं. मय्यारे ॐ तेहे कोवर्ततेनुतकि द्रुणद्वन्ति दभोतिदिद्युदिर व्यतिरा
१ इीदाविंशतिः॥ इतिनिघंटकेद्वितीयोऽध्यायः॥ श्रीः॥ ओं॥ उरु। तु
वि। पुरु। भरि। शश्वत्। विश्वं। परीणसा। व्यानशिः। शतं। सहस्रं।
(१०) सलिलं। कुविदितिद्वा दशवाहुनामानि॥ १॥ ऋहन्। ह्रस्वः। निघृ
षः। मायुकः। प्रतिष्ठा। रुधु। वस्रकः। दभं। अर्भकः। क्षुलुकः।
अ ~~स~~ अदुत्येकादशह्रस्वनामानि॥ २॥ महत्। ब्रध्नः। ऋषः।
बृहत्। उक्षितः। तवसः। तविषः। महिषः। अभ्वः। ऋभुक्षाः॥ उक्षा।

(10A)

विहायाः। यद्गुः। ववक्षिथ। विवक्षसे। अंभृणः। माहिनः। गभीरः। ककुहः।
रभसः। ब्राधन। विरघ्नी। अद्भुतं। बंहिष्ठः। बर्हिषदितिपंचविंशतिर्म
हं नामानि ॥ ३ ॥ गयः। रुदरः। गर्तः। हर्म्यं। अस्तं। पस्त्यं। दुरोणे। नीलं।
दुर्याः। स्वसराणि। अमा। दमे। वृत्तिः। योनिः। सन्न। शरणा। वस्तुथं। छ
र्दिः। छदिः। छाया। शर्म। अस्मेतिद्वाविंशतिर्गृहनामानि ॥ ४ ॥ इरुज्य
ति। विधेम। सपर्यति। नमस्यति। दुवस्यति। क्रुध्नोति। क्रुणक्षि। क्र
छति। पेसेति। विवासति। तिदशपरिचरणकर्माणः ॥ ५ ॥ शिंवाता। श
तरा। शातपंता। शिल्पुः। स्पूमकं। शेवृधं। मयः। सुगम्यं। सुदिनं।



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com